



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
"EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 137] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 29 1990/चंद्र 8 1912

No. 137] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 29, 1990/CHAITRA 8, 1912

इस भाग से भिन्न पृष्ठ संख्या से जाती है जिससे कि इह अलग संहितन से रुच में
रखा जा सके

Appropriate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विधि और न्याय मन्त्रालय

(विधायी विभाग)

भविष्युचन

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1990

सा. का. नि. 415 (अ) :—राष्ट्रपति द्वारा, आरी किया गया निम्न-
लिखित आदेश सर्वसाधारण की आनकारी के लिए प्रकाशित किया जाता
है :—

"सं. आ. 144"

3. (1) अनुबंध 275 के खण्ड (1) के उपबंधों के अनुसार
1 अप्रैल, 1989 को आरम्भ होने वाले विधिवर्ष में, सीधे
विनिरिष्ट प्रत्येक राज्य के राजसभों में सहायता अनुदान के
लिए, उसके सामने उन वर्ष के लिए विनिरिष्ट राशियाँ,
जो राज्यों में प्राकृतिक विषयों की बाबत अनुत्तीष्ट उपलब्ध
कराने के लिए केन्द्रीय सरकार के उपायक धन का अंश हैं
भारत की समेकित निधि पर भारित होती:—

राज्य (खण्ड सार्वों में)

आन्ध्र प्रदेश	2162.50
आन्ध्रप्रदेश	12.50
असम	650.00
बिहार	55.87
हिमाचल प्रदेश	162.50
जम्मू-कश्मीर	122.50

राज्य	(रुपए लाखों में)
कर्नाटक	300.00
केरल	450.00
मध्य प्रदेश	300.00
महाराष्ट्र	650.00
मणिपुर	25.00
मिजोरम	25.00
उड़ीसा	2263.51
पंजाब	537.50
राजस्थान	837.50
सिक्किम	25.00
तमिलनाडु	775.00
त्रिपुरा	38.00
उत्तर प्रदेश	2028.08

परम्परा अंतर विनियिक्त राशियां 1 अप्रैल, 1989 को प्रारम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष में, राज्यों में प्राकृतिक विपत्तियों की वावत अनुशोध उपलब्ध कराने के लिए उपायों पर व्यय की जाएगी :

परन्तु यह भी कि यदि उस वर्ष के नेत्राओं में प्रकट किए गए ऐसे अनुशोध संबंधी उपायों पर किया गया वास्तविक व्यय, अंतर विनियिक्त राशियों से कम है तो अतिशेष की अगले वर्ष में ले गया जाएगा और उसका उसी प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाएगा ।

(2) 1 अप्रैल, 1989 को प्रारम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष में, उपरा (1) के अधीन किसी राज्य को संदेश कोई राशि या राशियां, विविधान (राजस्व का विनाश) 1989 का आवेदन, मंख्या 3 के पैसा 3 के उप पैसा (1) के अनुसरण में उस वित्तीय वर्ष में उम राज्य को संदेश राशि या राशियों के अतिरिक्त होगी या होगी ।

श्री. वेंकटरामन,
राष्ट्रपति

[फा. मं. 19(2)/90 प्रल I]
बी. प्रस. रमा देवी, अधिकारी

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th March, 1990

G.S.R. 415(E).—The following Order made by the President is published for general information:—

“C.O. 144)”

THE CONSTITUTION (DISTRIBUTION OF REVENUES) NO. 2 ORDER, 1990

In exercise of the powers conferred by article 275 of the Constitution, the President, after having considered the recommendations of the Finance Commission, hereby makes the following Order, namely:—

1. This Order may be called the Constitution (Distribution of Revenues) No. 2 Order, 1990.

2. The General Clauses Act, 1897 (10 of 1897), shall apply for the interpretation of this Order as it applies for the interpretation of a Central Act.

3. (1) In accordance with the provisions of clause (1) of article 275, there shall be charged on the Consolidated Fund of India, in the financial year commencing on the 1st day of April, 1989 as grants-in-aid of the revenues of each of the States specified below, the sums specified against it as representing the share of the Central Government of the margin money towards affording relief in connection with natural calamities in the States :

State	(Rs. in lakhs)
Andhra Pradesh	2162.50
Arunachal Pradesh	12.50
Assam	650.00
Bihar	55.87
Himachal Pradesh	162.50
Jammu and Kashmir	122.50
Karnataka	300.00
Kerala	450.00
Madhya Pradesh	300.00
Maharashtra	650.00
Manipur	25.00
Mizoram	25.00
Orissa	2263.51
Punjab	537.50
Rajasthan	837.50
Sikkim	25.00
Tamil Nadu	775.00
Tripura	38.00
Uttar Pradesh	2028.08

Provided that the sums specified above shall be expended in the financial year commencing on the 1st day of April, 1989, on measures for affording relief in connection with natural calamities in the States:

Provided further that if the actual expenditure on relief measures as revealed in the accounts of that year is lower than the sums specified above, the balance shall be carried forward to the next year and utilised for the same purpose.

(2) Any sum or sums payable under subparagraph (1) to any State, in the financial year commencing on the 1st day of April, 1989, shall be in addition to the sum or sums payable to that State in that financial year in pursuance of subparagraph (1) of paragraph 3 of the Constitution (Distribution of Revenues) No. 2 Order, 1989.

R. VENKATARAMAN,
President

[F.19(2)/90-LT]
V.S. RAMA DEVI, Secy.

